परिणामी बजट वर्ष 2019-20

विभाग- ग्रामोद्योग विभाग

विभागाध्यक्ष- संचालनालय, रेशम प्रभाग

राशि हजार ₹ में

क्र.	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	बजट प्रावधान 2019-20	क्वांटिफायेबल डिलीवरेबल्स	टिप्पणियां
1	नैसर्गिक टसर कोसा उत्पादन विकास योजना	साल बाहुल्य वन खण्डों में नैसर्गिक रैली कोसा तथा साल एवं अन्य प्राकृतिक वन खण्डों पर नैसर्गिक कोसा प्रगुणन कैम्प आयोजित कर नैसर्गिक ककून उत्पादन में वृद्धि करना	79650	151 रैली/डाबा बीज प्रगुणन कैम्प का आयोजन एवं 2000 लाख नग नैसर्गिक टसर कोसा का उत्पादन	
2	पालित प्रजाति के कृमि पालकों को टसर स्वस्थ डिम्ब समूह	प्रदेश के समस्त जिलों में कोसा उत्पादन से जुड़े कोसा कृमि पालकों में गुणवत्ता एवं गुणात्मक वृद्धि हेतु टसर स्वसहायता समूह रियायती दर पर प्रदाय	114680	41.00 लाख टसर स्वस्थ डिम्ब समूह का वितरण, 1296.19 हेक्टेयर मनरेगा/सीडीपी पौधों का रखरखाव से 10000 टसर कृमिपालक हितग्राहियों को लाभन्वित किया जाना	
3	रेशम उद्योग का विकास कार्य	मलबरी उन्नत प्रजाति का पौधरोपण, कृमिपालन, निजी क्षेत्र में मलबरी योजना को प्रोत्साहित करने हेतु	11850	66 रेशम केन्द्रों के 526 एकड़ एवं 10 एकड़ नवीन मलबरी क्षेत्र का रखरखाव एवं 78000 किलोग्राम मलबरी ककून का उत्पादन का लक्ष्य	
4	टसर रेशम विकास एवं विस्तार कार्यक्रम	टसर केन्द्रो में कोसा उत्पादन से जुड़े कृमिपालकें हेतु कोसा खाद्य पौधों का संधारण, गुणवत्तायुक्त उत्पादित ककून को शासकीय दर पर क्रय	249375	1150 लाख नग टसर ककून उत्पादन का लक्ष्य 3908 हेक्टेयर पौधरोपण एवं 50 हेक्टयर नवीन टसर का रखरखाव किया जाना	
5	प्रशिक्षण एवं अनुसंधान	प्रदेश में टसर, मलबरी एवं ईरी कोसा उत्पादन में गुणवत्ता, गुणात्मक वृद्धि हेतु विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों एवं हितग्राहियों के तकनीकी ज्ञान वर्धन में ग्राहयता एवं नवीन तकनीक का प्रशिक्षण	11210	150 विभागीय कर्मचारियों एवं 1220 टसर/मलबर्र हितग्राहियों को प्रशिक्षण	
6	रेशम केन्द्रों में सिंचाई सुविधाएं एवं अन्य निर्माण कार्य	प्रदेश के समस्त जिलों के टसर/मलबरी केन्द्रों में बुनियादी सुविधा का विकास एवं सुदृढ़ीकरण	7500	टसर/रेशम केन्द्रों पर 112 नवीन बुनियादी सुविधा एव उपलब्ध बुनियादी सुविधा का सुदृढ़ीकरण	

परिणामी बजट वर्ष 2019–20

विभाग– ग्रामोद्योग विभाग

विभागाध्यक्ष– संचालनालय, हाथकरघा प्रभाग

राशि हजार ₹ में

क्र.	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	बजट प्रावधान 2019–20	क्वांटिफायेबल डिलीवरेबल्स	टिप्पणियां
1	हाथकरघा बुनकर पुरस्कार योजना	बुनकरों के कौशल, संस्कृति एवं परंपरागत कारीगरी की विकास हेतु प्रोत्साहन	500	04 श्रेष्ठ बुनकरों को एक-एक लाख का पुरस्कार	
2	हाथकरघा वस्त्र विपणन हेतु बाजार अध्ययन	हथकरघा वस्त्र विपणन हेतु प्रदर्शनी का आयोजन एवं बनुकरों को बाजार अध्ययन	3800	20 प्रदर्शनियों का आयोजन	
3	हाथकरघा क्षेत्रों में अनुसंधान एवं विकास	डिजाईन विकास, उन्नत करघे, उन्नत रंगाई आं का प्रशिक्षण	1000	200 डिजाईन एवं सैम्पल विकास हेतु एक्सपर्ट की सेवाएँ	
4	रिवाल्विंग फण्ड	कार्यशील पूंजी की व्यवस्था हेतु	2100	140 करघों को कार्यशील करने हेतु बुनकर सहकारी समितियों को सहायता प्रति करघा 15000/–	
5	समग्र हाथकरघा विकास योजना	सघन हाथकरघा क्षेत्रों में रोजगार सृजन	48100	बुनाई रोजगार सृजन हेतु नवीन बुनाई प्रशिक्षण, उन्नयन कौशल प्रशिक्षण, बुनकर करघागृह हेतु सहायता, कर्मशाला भवन निर्माण, पुराने भवनों का जीर्णोद्धार एवं स्थानीय आवश्यकता अनुसार पेयजल आदि सहायता, 1400 हितग्राही लाभान्वित किये जाने का लक्ष्य	

परिणामी बजट वर्ष 2019-20

विभाग- ग्रामोद्योग विभाग

विभागाध्यक्ष- प्रबंध संचालक, छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प बोर्ड

राशि हजार ₹ में

क्र.	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	बजट प्रावधान 2019-20	क्वांटिफायेबल डिलीवरेबल्स	टिप्पणियां
1	हस्तशिल्प निगम को विकास योजनाओं हेतु अनुदान	विभिन्न विकास योजनाओं द्वारा शिल्पियों को लाभान्वित करना	56690	संग्रहण/जॉब वर्क की प्रक्रिया के साथ-साथ अध्ययन प्रवास, डिजाईन डेव्हलपमेंट, मोबाइलाजेशन, समूह सशक्तिकरण आदि कार्य भी संपादित किये जाते है ।	
2	कोण्डागांव में शिल्पसिटी की स्थापना	कोण्डागांव में शिल्पियों को स्वरोजगार की स्थापना करना	3900	राज्य के परंपरागत हस्तशिल्प (जैसे-बेलमेटल, काष्ठ, बास, मिट्टी, लौह शिल्प आदि) का उत्पादन तथा तकनीकी डिजाईन के माध्यम से हस्तशिल्पियों को अधिकाधिक रोजगार में संलग्न कर डिजाईनिंग, प्रोसेसिंग, सूचना प्रौद्योगिकी व बाजार आदि की सुविधाओं हेतु सुविकसित सुविधा केन्द्र की स्थापना	
	शिल्पी हेतु डिजाईन एवं विकास शिक्षा	डिजाईन विकास शिक्षा हेतु शिल्पियों को अध्ययन कार्य	5480	राज्य शासन के सहयोग से शिल्प कार्य मे कार्यरत शिल्पियों के 12वीं कक्षा उत्तीर्ण बच्चों को भारतीय शिल्प संस्थान जयपुर में डिजाईन की उच्च शिक्षा हेतु भेजे जाने का लक्ष्य है ।	
4	प्रदर्शनी प्रचार एवं प्रसार	शिल्पियों द्वारा उत्पादित सामग्री को बाजार उपलब्ध कराना	5000	शिल्पियों द्वारा उत्पादित सामग्री को प्रदर्शनियों के माध्य से सीधे बाजार उपलब्ध कराने का लक्ष्य	
5	कम्प्यूटर एडेड डिजाईन सेंटर बार कोडिंग	शिल्पियों को डिजाईन हेतु प्रशिक्षण देना	240	शिल्पियों को डिजाइनों का प्रशिक्षण हेतु 10 कम्प्यूटर क्रय करने का लक्ष्य	

परिणामी बजट वर्ष 2019-20

विभाग- ग्रामोद्योग विभाग

विभागाध्यक्ष- संचालक, छत्तीसगढ़ माटीकला बोर्ड

राशि हजार ₹ में

क्र.	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	बजट प्रावधान 2019-20	क्वांटिफायेबल डिलीवरेबल्स	टिप्पणियां
1	कुंभकार टेराकोटा शिल्प योजना	माटी शिल्पियों को नि:शुल्क विद्युत चाक वितरण कर उन्हे स्वरोजगार से जोड़ना	20000	2700 शिल्पियों को नि:शुल्क विद्युत चाक वितरण का लक्ष्य	
2	(अ) छ.ग. माटीकला बोर्ड का स्थापना अनुदान	प्रदेश में माटी शिल्पियों के वेलफेयर हेतु	17500	सेवा भरती नियम अनुमोदित नहीं होने से संविदा एवं सर्विस प्रोवाइडर से सेवा में लेकर बोर्ड के कार्य का संचालन किया जा रहा है	
	(ब) विकास कार्य हेतु अनुदान	(1) प्रचार प्रसार एवं प्रदर्शनी	3500	माटीशिल्प उत्पाद प्रचार प्रसार एवं विक्रय हेतु स्थानीय स्तर पर प्रदर्शनी, राज्योत्सव जगार, स्वदेशी मेला तथा एम्पोरियम के माध्यम से प्रदर्शनियां आयोजित कर प्रचा प्रसार व विक्रय किया जाना है प्रदर्शनियां लगभग 20 स्थानों पर आयोजित कर लगभग 450 माटीशिल्पियों व परिवारों को लाभान्वित किया जाना है।	
		(2) प्रशिक्षण योजना	3000	प्रदेश के विभिन्न जिलो में माटीशिल्प के कार्य से जु शिल्पियों का कौशल उन्नयन हेतु लगभग 20 कार्यशालाएँ (प्रशिक्षण कार्यक्रम) आयोजित कर लगभग 600 माटी शिल्पियों को प्रशिक्षण दिया जाकर उन्हे स्वरोजगार से जोड़ा जाना	
		(3) डिजाईन विकास योजना	1000	भारत सरकार विकास आयुक्त हस्तशिल्प के नार्म्स के अंतर्गत उच्च तकनीकी प्रशिक्षण देकर लगभग 200 माटीशिल्पी परिवारों को स्वरोजगार से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जाना	
		(4) शिल्पियों का सर्वे चिन्हांकन एवं पंजीयन योजना	800		

परिणामी बजट वर्ष 2019-20

विभाग- ग्रामोद्योग विभाग

विभागाध्यक्ष- संचालक, छत्तीसगढ़ माटीकला बोर्ड

राशि हजार ₹ में

क्र.	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	बजट प्रावधान 2019-20	क्वांटिफायेबल डिलीवरेबल्स	टिप्पणियां
				प्रदेश के 27 जिलों में निवासरत माटीशिल्पियों का सर्वे कर उनका पंजीयन किया जाना एवं शासन के विभि विकासात्मक योजनाओं से अवगत कराते हुए उन्हे लाभ दिया जा सके अभी तक 1800 शिल्पियों का पंजीयन किया जा चुका हैं तथा लगभग 5000 माटीशिल्पियों इस वित्तीय वर्ष में पंजीयन किया जाना	
		(5) हस्तचलित रिक्सा ठेला प्रदाय योजना	1500	माटीशिल्पी परिवारों को अपने टेराकोटा उत्पाद एवं अन्य सामाग्री को विक्रय के लिए एक स्थान से दूसरे स्थान तक लाने ले जाने में सुविधा प्रदान करने हेतु उन्हें हस्तचलित रिक्शा ठेला 102 माटीशिल्पियों को प्रदाय किया जा चुका है, तथा लगभग 200 माटी शिल्पी परिवारों को स्व विपणन व्यवस्था से जोड़ना	
		(6) अध्ययन प्रवास योजना	200	माटीशिल्पियों को अलग अलग प्रदेश के उत्कृष्ट माटीशिल्प कलाकृतियों के निर्माण स्थल पर प्रवास पर ले जाकर प्रत्यक्ष अवलोकन एवं अध्ययन कराना ताकि वें वहां सीख कर अपने प्रदेश में उत्कृष्ट कलाकृतियों का निर्माण कर सके इस कार्यक्रम में लगभग 50 माटीशिल्पियों को लाभान्वित किया जाना	

परिणामी बजट वर्ष 2019-20

विभाग- ग्रामोद्योग विभाग

विभागाध्यक्ष- प्रबंध संचालक खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड, रायपुर

राशि हजार ₹ में

क्र.	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	बजट प्रावधान 2019-20	क्वांटिफायेबल डिलीवरेबल्स	टिप्पणियां
1	खादी वस्त्र उत्पादन पर रिबेट	खादी वस्त्र उत्पादन पर रिबेट दिया जाना	12000	212 वस्त्र उत्पादन पर रिबेट दिये जाने का लक्ष्य है	
2	स्पिनिंग मिल हेतु अनुदान	स्पिनिंग मिलों को अनुदान का प्रावधान किया है	625	स्पिनिंग मिल (385 उचित महिलाएं लाभान्वित होंगे)	
3	खादी बोर्ड के कारीगरों को प्रशिक्षण	खादी बोर्ड के कारीगरों को प्रशिक्षण दिया जाना ताकि उत्पादित सामग्री के गुणवत्ता वृद्धि किया जाना	5205	540 कारीगरों को प्रशिक्षण दिये जाने का लक्ष्य	
4	खादी बोर्ड हेतु कच्चामाल की सुविधा हेतु सहायता	खादी बोर्ड को उत्पादकता बढ़ाने हेतु कच्चामाल उपलब्ध कराना	11140	खादी बोर्ड को उत्पादकता बढ़ाने हेतु कच्चामाल उपलब्ध कराने का लक्ष्य	
5	परिवार मूलक इकाईयों की स्थापना हेतु सहायता	परिवार मूलक इकाईयों को बढ़ावा देने हेतु सहायता देना	61250	563 परिवार मूलक इकाईयों की संख्या स्थापित की जावेगी, जिससे 3498 लोगों को रोजगार मिलेगा	